वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 5 | मंगलवार 2 जून 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ने पकड़ी रफ्तार

रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन जैसे क्षेत्रों में चल रही परियोजनाएं

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की पैमाना रिपोर्ट में दिखी विकास की तस्वीर, 2.72 लाख करोड़ रुपये से अधिक के 81 प्रोजेक्ट्स से मजबूत हो रही आधारभूत संरचनाएं

पटरी पर रफ्तार पकड़ रहा रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर

रेलवे क्षेत्र की बात की जाए, तो राजस्थान में उत्तर-पश्चिम रेलवे की 23 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनकी लागत 1 लाख 64 हजार 998 करोड़ रुपये है। जिनमें लगभग 1 लाख 55 हजार 524 करोड़ रुपये की लागत की 10 बहुराज्यीय परियोजनाओं के अलावा प्रदेश में भी कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। एक लाख 24 हजार करोड़ रुपये की लागत से गुजरात-हरियाणा-महाराष्ट्र-राजस्थान और उत्तरप्रदेश से गुजरने वाले वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का कार्य पूर्ण होने जा रहा है। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने वाले प्रोजेक्ट्स में 968 करोड़ रुपये की देवगढ़ मदारिया से नाथद्वारा, 166 करोड़ रुपये की नाथद्वारा-नाथद्वारा टाउन, 799 करोड़ रुपये की पुष्कर-मेड़ता सिटी, 189 करोड़ रुपये लागत की पोकरण-रामदेवरा नई रेल लाइन ऐतिहासिक कदम साबित होंगे। वहीं, 166 करोड़ रुपये की वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के रखरखाव एवं कार्यशाला डिपो परियोजना, 1 हजार 634 करोड़ की अजमेर-चंदेरिया दोहरीकरण, 468 करोड़ की सादुलपुर-चूरू दोहरीकरण, 747 करोड़ की धौलपुर-सरमथुरा गेज परिवर्तन, 967 करोड़ की गुढ़ा-ठाठा मीठड़ी नई रेल परियोजना, 1 हजार 203 करोड़ की सवाईमाधोपुर-जयपुर रेलवे लाइन तथा 1 हजार 390 करोड़ रुपये की आगरा फोर्ट-बांदीकुई दोहरीकरण जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स भी प्रदेश में चल रहे हैं।

रनवे पर राजस्थान की ऊंची उड़ान

राजस्थान में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण 2 हजार 874 करोड़ रुपये लागत की 3 महत्वपूर्ण परियोजनाएं क्रियान्वित कर रहा है। बूंदी-कोटा में 1 हजार 507 करोड़ की नई ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना को अगस्त 2025 में स्वीकृति मिली और नवंबर 2027 तक पूर्ण होने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह परियोजना हाड़ौती क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसी प्रकार उदयपुर हवाई अड्डे पर 887 करोड़ रुपए की एकीकृत टर्मिनल परियोजना को पूर्ण करने का लक्ष्य सितंबर 2026 तय किया गया है। वहीं, जोधपुर हवाई अड्डे पर 480 करोड़ रुपए की नए घरेलू यात्री टर्मिनल परियोजना लगभग पूर्ण हो चुकी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि राजस्थान एक आधुनिक और सुदृढ़ अवसंरचना वाले राज्य के रूप में उभर रहा है।

जयपुर. का.सं

यदि दूरदर्शी और सकारात्मक परिणाम देने की सोच के साथ कार्य किया जाए, तो कुछ भी असंभव नहीं है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इसी विजन के चलते राजस्थान में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट नई रफ्तार पकड़ रहा है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी पैमाना रिपोर्ट के आंकड़े विकास की यही कहानी बयां कर रहे हैं। इसके अनुसार राजस्थान में रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की लगभग 2.72 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कुल 81 परियोजनाएं प्रगतिरत हैं। प्रदेश की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक राजस्थान रिफाइनरी परियोजना का जल्द ही उद्घाटन किया जाना है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत संचालित इस परियोजना की लागत 79 हजार 459 करोड़ रुपये है। बाड़मेर के पचपदरा में बनी इस रिफाइनरी से ना केवल राजस्थान बल्कि पूरे पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके साथ ही बाड़मेर में एचपीसीएल द्वारा 461 करोड़ रुपये की लागत से पेट्रोकेमिकल निकासी एवं विपणन टर्मिनल परियोजना भी प्रगति पर है, जिसे दिसंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है।

सरपट दौड़ रहा विकास का रथ

राजस्थान में सड़क मार्गों के विकास के जरिये आधारभूत संरचनाओं का विकास रथ भी तेज गति से दौड़ रहा है। प्रदेश में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ एनएचएआई के द्वारा लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की 28 सड़क एवं राजमार्ग परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें राजस्थान से गुजरने वाला लगभग 6 हजार 500 करोड़ रुपये के अधिक की लागत का दिल्ली-वडोदरा ग्रीनफील्ड अलाइनमेंट भी शामिल है। वहीं, लगभग 195 करोड़ की लागत से एनएच-25 पर पचपदरा-बागुंडी खंड का चार लेन और 379 करोड़ की लागत से अजमेर-जोधपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ब्यावर-गोमती चार लेन का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार एनएच-11 पर फतेहपुर, मंडावा और झुंझुनूं बाईपास 186 करोड़ की लागत से पूर्ण हो चुका है। एनएच-162 पर 606 करोड़ रुपए की लागत से नाथद्वारा से भटेवर तक का उन्नयन जैसे कई राजमार्गों पर विकास कार्य प्रगतिरत हैं।

एनर्जी ट्रांसमिशन से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता राजस्थान

राजस्थान में ऊर्जा के क्षेत्र में काफी संभावनाएं होने के कारण बड़े स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक की एनर्जी ट्रांसमिशन की 19 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनमें बहुराज्यीय प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं। इनमें 25 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली राजस्थान पार्ट-1 पावर ट्रांसमिशन परियोजना राजस्थान के साथ मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश तक फैली है।

गुना की ओर मंगल विहार, 3 जून को होगा भव्य मंगल प्रवेश

भविष्य के विकास को देखकर ही बच्चों का निर्माण करें : मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

शाढ़ौरा. शाबाश इंडिया

पारस धाम, शाढ़ौरा में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। वे प्रेम, अनुशासन और संस्कारों के माध्यम से उन्हें योग्य नागरिक बनाने का प्रयास करते हैं। भविष्य के विकास को ध्यान में रखते हुए बच्चों को अपराधमुक्त जीवन जीने की कला सिखाना आवश्यक है। मुनिश्री ने कहा कि जिस प्रकार मां अपने बच्चे में भावी अधिकारी और सफल व्यक्तित्व देखती है, उसी प्रकार जिनवाणी भी प्रत्येक जीव में भगवान बनने की क्षमता देखती है। संतजन कठिन परिस्थितियों, गर्मी और कष्टों को भी समता भाव से सहन करते हैं। हमें भी जीवन की परिस्थितियों में संतुलन और समता बनाए रखनी चाहिए। धर्मसभा के पश्चात मुनि संघ ने गुना की ओर मंगल विहार किया। गुना नगर में 3 जून को मुनि संघ का भव्य मंगल प्रवेश होगा, जिसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

पारस धाम में स्थापित होगी भगवान ऋषभदेव की विशाल प्रतिमा

इस अवसर पर मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि पूज्य मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज जहां भी पधारते हैं, वहां भक्तों को कोई न कोई अविस्मरणीय धार्मिक धरोहर अवश्य प्राप्त होती है। इस बार पारस धाम में भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ स्वामी) की विशाल प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जो इस प्रवास की ऐतिहासिक स्मृति बनेगी। उन्होंने बताया कि इस पुण्य कार्य का सौभाग्य डॉ. भरत जैन परिवार, डॉ. सुनील जैन एवं डॉ. पारस छाया सिंघई परिवार को प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर जैन समाज के पदाधिकारियों द्वारा परिवार का सम्मान भी किया गया।

धन का सदुपयोग ही जीवन की सफलता

अपने प्रवचन में मुनिश्री ने कहा कि जो लोग माता-पिता की संपत्ति पर निर्भर रहकर जीवन व्यतीत करते हैं और अपने भविष्य के निर्माण पर ध्यान नहीं देते, वे अंततः जीवन में संघर्ष का सामना करते हैं। उन्होंने कहा कि धन बुरा नहीं है, बल्कि उसका दुरुपयोग बुरा है। शास्त्रों में धन की तीन गतियां बताई गई हैं—दान, भोग और नाश। यदि धन का उपयोग व्यसनों और अनैतिक कार्यों में किया जाता है तो उसका परिणाम विनाश होता है। वहीं जिनालय निर्माण, समाज सेवा और जरूरतमंदों की सहायता में लगाया गया धन पुण्य और यश दोनों प्रदान करता है।

पुण्योदय तीर्थ पंचकल्याणक महोत्सव में सहयोग करेगी अशोकनगर जैन समाज

सांयकालीन जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम में अशोकनगर जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कांसल ने कहा कि पुण्योदय तीर्थ, बजरंगगढ़ तथा गुना में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव में अशोकनगर जैन समाज हर प्रकार का सहयोग प्रदान करेगा। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि लगभग एक हजार वर्ष प्राचीन पुण्योदय तीर्थ में आयोजित होने वाला पंचकल्याणक महोत्सव ऐतिहासिक और भव्य होगा, जिसमें जैन समाज की व्यापक भागीदारी रहेगी। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अजित वरोदिया, महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई, मंत्री शैलेन्द्र श्रागर, मंत्री संजीव भारिल्य सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे और मुनि संघ के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए श्रीफल भेंट किए।

टाइम बैंक की मासिक बैठक संपन्न

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी

जयपुर. शाबाश इंडिया। टाइम बैंक पिनकोड 302018, 302019 एवं 302020 इकाइयों की संयुक्त मासिक बैठक 29 मई 2026 को मानसरोवर स्थित मंगलम प्लस मेडिसिटी हॉस्पिटल में आयोजित की गई। बैठक में लगभग 75 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता 302020 इकाई के एडमिन, जयपुर जिला समन्वयक, गवर्निंग काउंसिल सदस्य एवं इंटर्नशिप कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अशोक जैन ने की। कार्यक्रम में विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी एवं एडमिन भी उपस्थित रहे। पिनकोड 302018 से नरेंद्र कुमार सेठी, 302019 से मीता माथुर एवं ओ.पी. गुप्ता तथा 302020 से आकाश शर्मा ने सहभागिता निभाई। बैठक में चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों ने आधुनिक उपचार पद्धतियों एवं नवीन तकनीकों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। यूरोलॉजिस्ट डॉ. नितिन नेगी, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. धीरेंद्र भटनागर, एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. अभिषेक प्रकाश तथा फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. पूजा चौधरी ने अपने-अपने विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए, जिससे सभी को स्वास्थ्य संबंधी उपयोगी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर डॉ. अशोक जैन ने अर्हम ध्यान योग एवं त्वरित योगाभ्यास के माध्यम से शरीर को स्वस्थ एवं ऊर्जावान बनाए रखने के सरल उपाय बताए। उन्होंने उपस्थित सदस्यों को एक संक्षिप्त योग प्रशिक्षण भी प्रदान किया, जिसे सभी ने अत्यंत लाभदायक एवं प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम के समापन पर ओ.पी. गुप्ता एवं नरेंद्र कुमार सेठी ने उपस्थित सभी चिकित्सकों, अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक के पश्चात सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में एक-दूसरे से विदा ली। -**आकाश शर्मा**

त्रिवेणी नगर में धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

त्रिवेणी नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर के संत भवन में आयोजित ग्रीष्मकालीन धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का सोमवार को समापन हो गया। यह शिविर 17 मई से 26 मई 2026 तक आयोजित किया गया था, जबकि 27 मई से 31 मई 2026 तक बच्चों के लिए क्राफ्ट एवं नृत्य प्रशिक्षण कक्षाओं का आयोजन किया गया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन परिषद राजस्थान प्रांत के प्रचार-प्रभारी नरेश कासलीवाल ने बताया कि दिगंबर जैन महासमिति के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह में मंदिर समिति एवं महिला मंडल की ओर से सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही महावीर कासलीवाल द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप नकद पुरस्कार भी प्रदान किए गए। शिविर के दौरान बच्चों को धार्मिक एवं नैतिक शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई। पाठशाला में भक्तामर स्तोत्र की उपयोगिता, छहढाला के सिद्धांतों तथा नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षाएं प्रदान की गईं। वहीं महिला मंडल त्रिवेणी नगर द्वारा बच्चों को क्राफ्ट एवं नृत्य का प्रशिक्षण भी दिया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के संयोजक अशोक कुमार पापड़ीवाल ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, महिला मंडल पदाधिकारियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविर बच्चों में धार्मिक संस्कार, नैतिक मूल्य एवं रचनात्मक प्रतिभाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शीतल पेय सेवा अभियान का हुआ समापन, आमजन को वितरित की गई छाछ

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समिति के तत्वावधान में संचालित हुआ सेवा अभियान

कोटा. शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी को देखते हुए गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समिति, दादाबाड़ी द्वारा समाज के भामाशाहों के सहयोग से संचालित शीतल पेय सेवा अभियान का सोमवार को विधिवत समापन किया गया। यह सेवा अभियान 25 मई से निरंतर संचालित किया जा रहा था, जिसके अंतर्गत प्रतिदिन आमजन को शीतल पेय उपलब्ध कराया गया। अभियान के अंतिम दिन छोटा चौराहा, दादाबाड़ी, कोटा पर राहगीरों एवं आमजन को छाछ का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने सेवा का लाभ उठाया। कार्यक्रम गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समिति, दादाबाड़ी, कोटा के अध्यक्ष सत्यनारायण गौतम के संरक्षण एवं सान्निध्य में संपन्न हुआ। समिति के महामंत्री रवि गौतम ने बताया कि भीषण गर्मी के दौरान आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह सेवा अभियान प्रारंभ किया गया था। समाज के भामाशाहों, समाजबंधुओं एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से यह अभियान सफलतापूर्वक संचालित हुआ और समाज सेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण बना। उन्होंने अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी भामाशाहों, समाजबंधुओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समिति भविष्य में भी जनहित एवं समाजहित से जुड़े ऐसे सेवा कार्य निरंतर करती रहेगी। इस अवसर पर जगमोहन गौतम, रामचंद्र गौतम, प्रवीण पंचोली, राजेंद्र मोहन गौतम, श्याम बिहारी शर्मा, राधेश्याम गौतम, दिनेश दुबे, रणदीप जोशी, राजेश शर्मा, रमेश चंद्र शर्मा, श्याम गौतम, मनोज शर्मा एवं बृजमोहन शर्मा सहित अनेक समाजबंधु एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"लेखक हिन्दी के" के संपादक मंडल में कवि डी.के. जैन मित्तल मानद संपादक नियुक्त

कामां/भरतपुर. शाबाश इंडिया। सृजन प्रकाशन, बूंदी (राजस्थान) द्वारा प्रकाशित ई-पत्रिका 'लेखक हिन्दी के' के संपादक मंडल में वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि 'डी.के. जैन मित्तल' को मानद संपादक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से साहित्यिक एवं बौद्धिक जगत में हर्ष का वातावरण है। उल्लेखनीय है कि 'लेखक हिन्दी के' हिन्दी भाषा, साहित्य एवं शोध क्षेत्र को समर्पित एक प्रतिष्ठित ई-पत्रिका है, जो मूल्यवान हिन्दी साहित्यिक धरोहर के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पत्रिका देशभर के साहित्यकारों, शोधार्थियों एवं हिन्दी प्रेमियों को एक सशक्त मंच प्रदान कर रही है। कवि डी.के. जैन मित्तल की साहित्यिक सेवाओं, रचनात्मक योगदान एवं हिन्दी भाषा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। साहित्यिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन से पत्रिका को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी तथा हिन्दी भाषा एवं साहित्य के संवर्धन को नया आयाम प्राप्त होगा। इस अवसर पर साहित्यकारों, शिक्षाविदों एवं हिन्दी प्रेमियों ने डी.के. जैन मित्तल को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है।

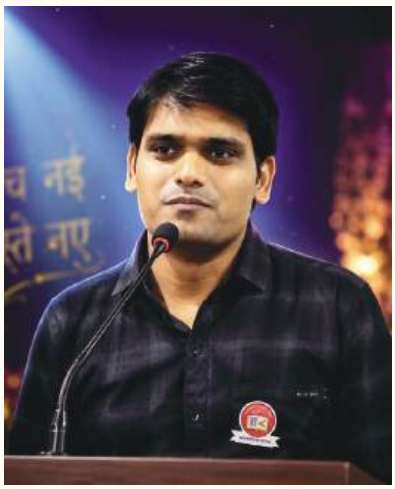

राजस्थान संगीत संस्थान में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

शिक्षा संकुल स्थित राजस्थान संगीत संस्थान में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया 1 जून से प्रारंभ हो गई है। संस्थान के प्राचार्य एम.एल. दायमा ने बताया कि विद्यार्थी अपनी नियमित शिक्षा के साथ-साथ तथा नौकरीपेशा व्यक्ति भी संगीत शिक्षा प्राप्त करने के लिए इन डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। संस्थान में गायन, तबला, कथक, सितार एवं वायलिन विषयों में तीन स्तरीय पाठ्यक्रम—मध्यमा, विशारद एवं निपुण—संचालित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी पाठ्यक्रम राजस्थान सरकार के कॉलेज शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त हैं। प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान की वेबसाइट से आवेदन पत्र डाउनलोड कर निर्धारित प्रारूप में भरकर कार्यालय समय में जमा करवा सकते हैं। राजस्थान संगीत संस्थान प्रदेश का भारतीय शास्त्रीय संगीत को समर्पित एकमात्र महाविद्यालय है। यह संस्थान पिछले 75 वर्षों से संगीत शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है तथा अनेक प्रतिभाशाली कलाकारों को तैयार कर चुका है। उल्लेखनीय है कि ग्रैमी अवार्ड विजेता एवं पद्मभूषण से सम्मानित प्रख्यात संगीतज्ञ पंडित विश्व मोहन भट्ट भी इस संस्थान में संकाय सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। संस्थान भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

राजनीति

रोहिणी नौतपा और बढ़ते तापमान का प्रभाव

डॉ. सुमन शर्मा

भारतीय परंपरा, ज्योतिष और लोक मान्यताओं में रोहिणी नौतपा को वर्ष के सबसे गर्म दिनों की अवधि माना जाता है। जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है, तब लगभग नौ दिनों तक पड़ने वाली तीव्र गर्मी को नौतपा कहा जाता है। सामान्यतः यह अवधि 25 मई से 2 जून तक मानी जाती है। लोक विश्वास है कि इन दिनों अच्छी गर्मी पड़ने से मानसून अनुकूल रहता है और वर्षा अच्छी होती है। किसान समुदाय लंबे समय से इसे मौसम और कृषि चक्र से जोड़कर देखता आया है। लोक मान्यताओं के अनुसार यदि नौतपा के दौरान पर्याप्त गर्मी न पड़े या बारिश हो जाए, तो इसे मानसून के लिए अनुकूल नहीं माना जाता। हालांकि यह कोई वैज्ञानिक सिद्धांत नहीं है, लेकिन पीढ़ियों के अनुभवों पर आधारित पारंपरिक मौसम ज्ञान का हिस्सा अवश्य है। वैज्ञानिक दृष्टि से मई के अंतिम सप्ताह और जून की शुरूआत भारत में ग्रीष्म ऋतु का चरम समय होता है। इस दौरान सूर्य की किरणें उत्तरी गोलार्ध पर अपेक्षाकृत अधिक सीधी पड़ती हैं, जिससे भूमि तेजी से गर्म होती है। पृथ्वी के लगभग 23.5 डिग्री झुकाव के कारण भारत सहित उत्तरी गोलार्ध के क्षेत्रों में तापमान बढ़ जाता है और लू चलने लगती है। यही कारण है कि इस अवधि में तापमान वर्ष के उच्चतम स्तर तक पहुंच सकता है। नौतपा के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अत्यंत आवश्यक हैं। दोपहर के समय धूप में निकलने से बचना चाहिए, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए तथा नींबू पानी, छाछ और अन्य तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए। हल्के सूती कपड़े पहनना और बच्चों, बुजुर्गों तथा बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखना भी जरूरी है। वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी केवल मौसमी घटना नहीं रह गई है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन से भी जुड़ गई है। औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे हीटवेव की घटनाएं अधिक तीव्र और लंबी होती जा रही हैं। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा है। कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी गैसें सूर्य से प्राप्त ऊष्मा को वायुमंडल में रोक लेती हैं, जिससे पृथ्वी का तापमान बढ़ता है।

संपादकीय

एक राष्ट्र, एक चुनाव: सुधार की दिशा या लोकतांत्रिक चुनौती?

भारत की चुनावी राजनीति में ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' (वन नेशन, वन इलेक्शन) का मुद्दा पिछले कुछ वर्षों में सबसे चर्चित राजनीतिक और संवैधानिक सुधारों में शामिल रहा है। केंद्र सरकार इस प्रस्ताव को देश की चुनावी व्यवस्था को अधिक प्रभावी और किफायती बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानती है। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) भी इस विषय पर विस्तृत विचार-विमर्श कर चुकी है और अपनी रिपोर्ट में एक साथ चुनावों से बड़े पैमाने पर आर्थिक तथा प्रशासनिक लाभ होने की संभावना जताई है। स्वतंत्र भारत में 1951-52 से लेकर 1967 तक लोकसभा और अधिकांश राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ आयोजित होते थे। बाद में विभिन्न कारणों से कुछ विधानसभाएं समय से पहले भंग हुईं और चुनावी चक्र अलग-अलग हो गए। परिणामस्वरूप आज देश में लगभग हर वर्ष किसी न किसी राज्य में चुनाव होते रहते हैं। इससे प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और सरकारी मशीनरी का बड़ा हिस्सा चुनावी कार्यों में व्यस्त रहता है। इस प्रस्ताव के समर्थकों का मानना है कि एक साथ चुनाव कराने से चुनावी खर्च में उल्लेखनीय कमी आएगी। लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान कर्मियों की नियुक्ति, ईवीएम-वीवीपैट की व्यवस्था और अन्य प्रशासनिक खर्चों को एकीकृत किया जा सकेगा। इसके अलावा बार-बार लागू होने वाली आदर्श आचार संहिता से विकास परियोजनाओं पर पड़ने वाला प्रभाव भी कम होगा। समर्थकों के अनुसार, लगातार चुनावी माहौल नीति-निर्माण और दीर्घकालिक योजनाओं के क्रियान्वयन को प्रभावित करता है। सरकारें कई बार राजनीतिक कारणों से कठिन लेकिन आवश्यक निर्णय लेने से बचती हैं। यदि चुनाव एक साथ हों तो केंद्र और राज्य सरकारों को पूरे कार्यकाल के दौरान विकास, निवेश और जनकल्याणकारी योजनाओं पर अधिक ध्यान देने का अवसर मिल सकता है। मतदाताओं को भी बार-बार मतदान प्रक्रिया में शामिल होने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। हालांकि इस प्रस्ताव का विरोध भी कम नहीं है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक सहित कई क्षेत्रीय दलों का कहना है कि इससे भारत के संघीय ढांचे और राज्यों की राजनीतिक स्वायत्तता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उनका तर्क है कि लोकसभा चुनावों के दौरान राष्ट्रीय मुद्दे प्रमुख हो जाते हैं, जिससे राज्यों के स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दे पीछे छूट सकते हैं। इससे क्षेत्रीय दलों के लिए राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और अधिक कठिन हो सकती है। संवैधानिक स्तर पर भी कई जटिल प्रश्न मौजूद हैं। यदि किसी राज्य सरकार का बहुमत बीच कार्यकाल में समाप्त हो जाए या लोकसभा समय से पहले भंग हो जाए, तो ऐसी स्थिति में चुनावी चक्र को कैसे बनाए रखा जाएगा, यह एक महत्वपूर्ण चुनौती है। प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों में इन परिस्थितियों के समाधान का प्रयास किया गया है, लेकिन इस पर व्यापक बहस जारी है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जीवन की सुरक्षा

कांतिलाल मांडोत

भारत में हर वर्ष लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं। इनमें से बड़ी संख्या ऐसे लोगों की होती है जिनकी जान समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिलने के कारण चली जाती है। दुर्घटना के बाद कई बार घायल व्यक्ति लंबे समय तक सड़क पर पड़ा रहता है, जबकि आसपास मौजूद लोग कानूनी झंझटों या पुलिस पूछताछ के डर से मदद करने से बचते हैं। ऐसे हालात को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में ट्रॉमा केयर व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया है कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति को त्वरित उपचार उपलब्ध कराना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले जीवन के अधिकार का अभिन्न हिस्सा है। यदि किसी घायल को समय पर इलाज नहीं मिलता, तो यह उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क दुर्घटनाओं के बाद के शुरूआती समय, जिसे ''गोल्डन ऑवर'' कहा जाता है, को सबसे महत्वपूर्ण बताया है। विशेषज्ञों के अनुसार इस अवधि में उचित उपचार मिलने पर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। लेकिन देश के कई हिस्सों में एम्बुलेंस सेवाओं की कमी, ट्रॉमा सेंटरों की दूरी और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के कारण मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। इसी संदर्भ में अदालत ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि पूरे देश में एकीकृत आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। वर्तमान में विभिन्न सेवाओं के लिए अलग-अलग नंबर होने से आम नागरिकों में भ्रम की स्थिति बनती है। एकीकृत हेल्पलाइन से आपातकालीन सहायता तक पहुंच अधिक तेज और सरल हो सकेगी। कोर्ट ने ट्रॉमा केयर के पूरे ढांचे को मजबूत करने पर भी जोर दिया है। निर्देश दिए गए हैं कि केवल राष्ट्रीय राजमार्गों पर ही नहीं, बल्कि राज्य राजमार्गों, जिला सड़कों और शहरी क्षेत्रों में भी पर्याप्त ट्रॉमा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। दुर्घटना की स्थिति में घायल को तत्काल नजदीकी सक्षम अस्पताल तक पहुंचाने की व्यवस्था विकसित की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने 'गुड समेरिटन' यानी नेक मददगारों की सुरक्षा को भी विशेष महत्व दिया है। अदालत ने कहा कि दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वाले लोगों को पुलिस या कानूनी परेशानियों का सामना नहीं करना चाहिए। राज्यों को ऐसे कानूनों और दिशा-निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने तथा शिकायत निवारण तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। अदालत ने एम्बुलेंस सेवाओं के आधुनिकीकरण पर भी बल दिया है। सभी एम्बुलेंस में जीपीएस ट्रैकिंग, रियल टाइम मॉनिटरिंग, हेल्पलाइन 112 से सीधा जुड़ाव और आवश्यक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने की बात कही गई है। साथ ही प्रतिक्रिया समय का नियमित ऑडिट करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके अलावा ट्रॉमा रजिस्ट्रियों के निर्माण पर भी जोर दिया गया है, ताकि दुर्घटनाओं और उपचार संबंधी आंकड़ों का व्यवस्थित संग्रह हो सके। इससे उन क्षेत्रों की पहचान आसान होगी जहां ट्रॉमा सुविधाओं की सबसे अधिक आवश्यकता है। अदालत ने दुर्घटना पीड़ितों के लिए नकद रहित उपचार व्यवस्था को भी प्रभावी बनाने की आवश्यकता बताई है, जिससे आर्थिक कारणों से इलाज में देरी न हो। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण का प्रतीक है।

भारत विकास परिषद, गायत्री शाखा बरवाला का दायित्व ग्रहण एवं परिवार मिलन समारोह संपन्न

हिसार. शाबाश इंडिया

राजेश सलूजा। भारत विकास परिषद, गायत्री शाखा बरवाला द्वारा ब्राह्मण धर्मशाला, बरवाला में दायित्व ग्रहण एवं परिवार मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में नवगठित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने अपने दायित्व ग्रहण करते हुए परिषद के मूल मंत्र ''संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण'' को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला प्रभारी संजीव गंगवा उपस्थित रहे, जबकि समारोह की अध्यक्षता भारत विकास परिषद हरियाणा पश्चिम के प्रांतीय उपाध्यक्ष दीपक शर्मा ने की।

विशिष्ट अतिथियों के रूप में नगर परिषद बरवाला के चेयरमैन रमेश बैटरीवाला एवं बनभौरी धाम के मुख्य पुजारी श्यामलाल कौशिक मौजूद रहे। अति विशिष्ट अतिथियों में समाजसेवी पुरुषोत्तम तथा हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अश्वनी श्योराण ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर दूसरी बार शाखा अध्यक्ष निर्वाचित हुए पवन शर्मा, शाखा सचिव राजेंद्र भट्ट एवं शाखा कोषाध्यक्ष मनीष गोयल सहित सभी पदाधिकारियों का परिचय कराया गया। समारोह को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय गतिविधि संयोजक डॉ. सतीश वर्मा, प्रांतीय महासचिव रामनिवास वर्मा, प्रांतीय गतिविधि संयोजक हुकम चंद गोयल एवं जिला समन्वयक ऋषिराज बुड़ाकिया ने परिषद की सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने संगठन को समाज सेवा, संस्कार निर्माण और जनकल्याण के कार्यों में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण तथा सेवा कार्यों में भारत विकास परिषद के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि परिषद निरंतर समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। परिवार मिलन समारोह के दौरान परिषद परिवार के सदस्यों ने आपसी आत्मीयता और सौहार्द के साथ संवाद किया तथा संगठन की भावी योजनाओं एवं गतिविधियों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय शाखा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया। समारोह के अंत में सभी अतिथियों, सदस्यों एवं परिवारजनों का आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्र एवं समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई गई। इस अवसर पर भारत विकास परिषद गायत्री शाखा बरवाला के पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शाखा के सभी पदाधिकारी, सदस्यगण तथा शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रजनीश जैन की पुस्तक ''क्वाइट एक्सीलेंस'' का विमोचन, नेतृत्व और जीवन मूल्यों पर केंद्रित

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के प्रेसिडेंट एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) रजनीश जैन की पुस्तक **Quiet Excellence: 52 Reflections on Work, Faith and What Truly Matters** का विमोचन रविवार को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में आयोजित एक विशेष समारोह में किया गया। कार्यक्रम में उद्योग, शिक्षा, प्रशासन और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। ओम बुक्स इंटरनेशनल द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक जीवन, नेतृत्व, विश्वास और दैनिक अनुभवों से जुड़ी 52 प्रेरक सीखों, विचारों और अनुभवों का संग्रह है। पुस्तक इस बात पर बल देती है कि जीवन और पेशेवर सफलता केवल बड़े निर्णयों से ही नहीं, बल्कि रोजमर्रा की छोटी आदतों, मानवीय संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों से भी निर्मित होती है। विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए रजनीश जैन ने कहा, ''हमारा समाज और राष्ट्र सदैव एक गहरी सामूहिक चेतना से प्रेरित रहा है। यही चेतना हमें महत्वाकांक्षा और विनम्रता, कर्म और चिंतन तथा सफलता और जीवन के वास्तविक अर्थ के बीच संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देती है। यदि यह पुस्तक भारत की इस सामूहिक चेतना का एक छोटा-सा हिस्सा भी बन सके, तो मैं अपने प्रयास को सार्थक मानूंगा।'' उन्होंने कहा कि यह पुस्तक केवल पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में आत्मसात करने योग्य विचारों का संग्रह है। इसमें शामिल अनुभव और सीख पाठकों को अपने कार्य, सोच और संबंधों को नए दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रेरित करते हैं। पुस्तक में आध्यात्मिक गुरु गुरुदेव श्री श्री रविशंकर का विशेष संदेश भी शामिल है। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों के विचारों को भी स्थान दिया गया है, जिनमें आत्मचिंतन, जागरूकता, मूल्यों और संतुलित जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी, वरिष्ठ राजनयिक एवं राजदूत डॉ. दीपक वोहरा उपस्थित रहे। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के पूर्व मुख्य सचिव नरेश कुमार, ब्रह्माकुमारीज की बीके आशा दीदी, आईसीएमएआई के अध्यक्ष सीएमए टीसीए श्रीनिवास प्रसाद तथा एचएफसीएल के प्रबंध निदेशक महेंद्र नाहटा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में नेतृत्व की पहचान केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, मानवीय मूल्यों और समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण से भी होती है। ''क्वाइट एक्सीलेंस'' इन्हीं मूल्यों को सरल भाषा और वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से पाठकों तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास है। समारोह के अंत में पुस्तक के विचारों और उसके सामाजिक महत्व पर चर्चा हुई तथा उपस्थित अतिथियों ने इसे नेतृत्व, आत्मविकास और जीवन मूल्यों पर आधारित प्रेरणादायी कृति बताया।

वर्धमान इंटरनेशनल स्कूल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ WPSF नेशनल वूमेन्स डांस लीग 2026 का ऑडिशन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व प्राप्त ''वूमेन पावर सोशलिटी फाउंडेशन इंडिया'' द्वारा आयोजित ''नेशनल वूमेन्स डांस लीग सीजन-4, 2026'' का ऑडिशन वर्धमान इंटरनेशनल स्कूल, शिप्रा पथ, मानसरोवर में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन संस्थापक अध्यक्ष सुश्री राजकन्या एवं मुख्य राष्ट्रीय अध्यक्ष राजरानी के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष जिनेश कुमार जैन ने बताया कि महिलाओं एवं बच्चों की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस आयोजन का आयोजन किया गया। ऑडिशन में विभिन्न आयु वर्ग की प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से निर्णायकों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राखी गंगवाल (ए. गंगवाल डेवलपर्स), प्रभुलाल एवं ममता बैरवा (सेवानिवृत्त एजीएम, आरएससीबी) तथा वैष्णवी सुथार (मॉडल, अभिनेत्री एवं लेखिका) उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में महिला थाना मानसरोवर की पुलिस निरीक्षक एकता राज, वरिष्ठ पत्रकार राजा बाबू गोधा, हरचंद सैन (स्टाइल जॉन), पी.सी. जैन, जे.के. जैन, शशि जैन, इंदिरा बड़जात्या, यामिनी जैन, राजेश रंजन, कैलाश जगरवाल, राजेंद्र कुमावत एवं डॉ. माधुरी शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे। कार्यक्रम में मीडिया एवं वीडियो क्रिएटर बादशाह सिंह का सहयोग भी सराहनीय रहा। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों को अपनी कला एवं प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट अवसर मिला। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, प्रस्तुति शैली और प्रदर्शन की सराहना की। राष्ट्रीय सामाजिक सलाहकार ऋतु जैन ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह एवं उत्कृष्ट प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन राष्ट्रीय संयोजक संतोष कुमार सिंह ने किया। मुख्य संयोजक जिनेश कुमार जैन ने वर्धमान इंटरनेशनल स्कूल का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय के सहयोग एवं उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के कारण कार्यक्रम का सफल संचालन संभव हो सका। विद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए मंच और सुविधाओं ने प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा निखारने का बेहतर अवसर प्रदान किया।

रिलायंस का सरकारी खजाने में ₹2.16 लाख करोड़ का योगदान, CSR खर्च भी बढ़ा

हर ₹100 की वैल्यू में से करीब ₹47 सरकार को मिले, 10 वर्षों में राष्ट्रीय कोष में योगदान ₹15 लाख करोड़ के पार

मुंबई. शाबाश इंडिया

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में सरकारी खजाने में ₹2,16,472 करोड़ का योगदान दिया है। इस राशि में कर, शुल्क, लेवी तथा सरकार को किए गए अन्य भुगतान शामिल हैं। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का कुल योगदान ₹2,10,269 करोड़ था। इस प्रकार वर्ष-दर-वर्ष आधार पर लगभग 2.95 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच सरकारी राजस्व में रिलायंस का यह योगदान देश की अर्थव्यवस्था में कंपनी की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। कंपनी के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में राष्ट्रीय कोष में उसका कुल योगदान ₹15 लाख करोड़ से अधिक हो चुका है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान रिलायंस ने कुल ₹4,63,448 करोड़ की वैल्यू क्रिएट की। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा सरकार को प्राप्त हुआ। कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, रिलायंस द्वारा सृजित प्रत्येक ₹100 की वैल्यू में से लगभग ₹47 सरकारी खजाने में गए। आर्थिक योगदान के साथ-साथ कंपनी ने सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के क्षेत्र में भी अपने निवेश को बढ़ाया है।

वित्त वर्ष 2025-26 में रिलायंस ने CSR गतिविधियों पर ₹2,248 करोड़ खर्च किए, जो पिछले वित्त वर्ष के ₹2,156 करोड़ की तुलना में 4.3 प्रतिशत अधिक है। कोविड महामारी के बाद से कंपनी का कुल CSR व्यय ₹9,500 करोड़ से अधिक हो चुका है। रिलायंस फाउंडेशन की विभिन्न सामाजिक पहलों ने देशभर में अब तक 9.7 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच बनाई है। फाउंडेशन ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, महिला सशक्तिकरण, पशु कल्याण और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्य कर रहा है। कंपनी के अनुसार, रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप कार्यक्रम के तहत प्रतिवर्ष 5,100 छात्रों को शैक्षणिक सहायता प्रदान की जा रही है। वहीं ग्रामीण परिवर्तन कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों की आय और कृषि उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए हैं। रिलायंस फाउंडेशन ने आने वाले वर्षों में शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण आजीविका और सामुदायिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों का और अधिक विस्तार करने की योजना बनाई है, ताकि समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों तक विकास के लाभ पहुंचाए जा सकें।

पूर्णिमा पर भक्तामर दीप महाअर्चना में उमड़ी श्रद्धा, समाजजन हुए शामिल

डडूका. शाबाश इंडिया

पूर्णिमा के पावन अवसर पर पार्श्वनाथ जिनालय, डडूका में भक्तामर दीप महाअर्चना का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में समाजजनों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान भक्तामर स्तोत्र के 48 काव्यों का सामूहिक पाठ किया गया तथा आदिनाथ भगवान को 48 दीप अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति एवं श्रद्धा भाव के साथ दीप महाअर्चना में सहभागिता निभाई। आयोजन के मुख्य यजमान कीर्तिश बसंतलाल सेठ परिवार रहे। कार्यक्रम में मनोज एस. शाह ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ भक्तामर दीप महाअर्चना संपन्न कराई। इस अवसर पर अजीत कोठिया, मुकेश शाह, अशोक के. शाह, विजयचंद सेठ, सुधीर सेठ, रमनलाल शाह, अजीत बी. शाह सहित अनेक श्रद्धालु एवं समाजजन उपस्थित रहे। धार्मिक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की तथा जिनशासन के प्रति आस्था और श्रद्धा को और अधिक सुदृढ़ किया।

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर 5 जून को महावीर इंटरनेशनल एपेक्स द्वारा देशभर में होंगे विविध आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को महावीर इंटरनेशनल एपेक्स द्वारा देशभर में विविध पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्था के इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया ने बताया कि इस अवसर पर ई-चौपाल के माध्यम से एक विशेष वेबिनार का आयोजन भी किया जाएगा। वेबिनार को इंटरनेशनल डायरेक्टर (पर्यावरण संरक्षण) रवींद्र जैन, को-डायरेक्टर हितेश जैन, आरती चोरड़िया तथा अनिल के. जैन संबोधित करेंगे। वे पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण तथा सतत विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। अजीत कोठिया ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल के देशभर में संचालित लगभग 350 केंद्रों द्वारा 5 जून को व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही लगाए गए पौधों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प भी लिया जाएगा, ताकि पर्यावरण संरक्षण की मुहिम केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर उनके दीर्घकालिक संरक्षण तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान रूफ वाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) के महत्व पर भी जानकारी साझा की जाएगी तथा लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही पारंपरिक पेयजल स्रोतों के संरक्षण, उनकी स्वच्छता और पुनर्जीवन के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया जाएगा। इंटरनेशनल डायरेक्टर रवींद्र जैन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से हम अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुनहरे भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से ऑक्सीजन मिशन, वृक्षारोपण, जल संरक्षण तथा अपशिष्ट प्रबंधन जैसे अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सीए अनिल जैन, महासचिव सोहनलाल वैद्य तथा अंतरराष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुधीर जैन ने सभी वीरों एवं वीरांगनाओं को अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छ, हरित और स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण संभव है।

फ्यूचर स्किल्स समर कैंप का हुआ सफल समापन

जयपुर.शाबाश इंडिया

वैश्य कम्युनिटी स्टार्टअप फाउंडेशन, जैन कनेक्ट एवं ब्रेन हेल्प के संयुक्त तत्वावधान में 20 मई से आयोजित 10 दिवसीय निःशुल्क ''फ्यूचर स्किल्स समर कैंप'' का सफलतापूर्वक समापन हो गया। ऑनलाइन आयोजित इस कैंप में देश-विदेश के 141 शहरों से बच्चों, युवाओं, गृहिणियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स ने भाग लेकर नई तकनीकों और भविष्य उन्मुख कौशलों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कैंप के मुख्य संयोजक राखी जैन एवं अतीव जैन ने बताया कि प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, ड्रोन तकनीक, डिजिटल क्रिएटिविटी, संचार कौशल, कैनवा, नोटबुक एलएम तथा अन्य आधुनिक एआई टूल्स की प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके साथ ही परीक्षा के भय को दूर करने, स्मार्ट अध्ययन तकनीकों, आत्मविश्वास निर्माण, मस्तिष्क मानचित्रण तथा करियर मार्गदर्शन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विशेष सत्र आयोजित किए गए। संस्था के सहयोगी गणपत कोठारी, रोशन खंडेलवाल, गंगाराम खंडेलवाल एवं सचिन जैन ने बताया कि समापन सत्र के दौरान बच्चों एवं युवाओं ने एआई और रोबोटिक्स आधारित अपने नवाचारपूर्ण प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए, जिन्हें उपस्थित अतिथियों एवं विशेषज्ञों ने काफी सराहा। प्रतिभागियों द्वारा कैनवा, नोटबुक एलएम एवं विभिन्न एआई टूल्स की सहायता से तैयार किए गए रचनात्मक प्रोजेक्ट आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे। इन प्रस्तुतियों ने प्रतिभागियों की तकनीकी समझ, रचनात्मकता और नवाचार क्षमता को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। आयोजकों ने बताया कि कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों और युवाओं को भविष्य की मांग के अनुरूप उभरती तकनीकों से जोड़ना तथा उन्हें आने वाले समय की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करना था। इस पहल ने प्रतिभागियों को नई तकनीकों को समझने, उनका उपयोग करने और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं विशेषज्ञों ने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समय की आवश्यकता बताते हुए आयोजन की सराहना की।

पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज ससंघ का भिंड नगर में भव्य मंगल प्रवेश

सकल जैन समाज एवं जनप्रतिनिधियों ने किया भव्य स्वागत

भिंड. शाबाश इंडिया। विश्व संत पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज ससंघ का रविवार, 31 मई को प्रातः 7 बजे भिंड नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। गुरुदेव के नगर आगमन पर सकल जैन समाज में उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। समाजजनों ने अटेर रोड पहुंचकर बैंड-बाजों के साथ गुरुदेव की अगवानी की। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में मीडिया प्रवक्ता एवं पत्रकार सोनल जैन ने बताया कि पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज रिदौली ग्राम (अटेर) में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के समापन के पश्चात भिंड नगर पधारे। मंगल प्रवेश यात्रा अटेर रोड से प्रारंभ होकर पुस्तक बाजार, बतासा बाजार, गोल मार्केट एवं सदर बाजार से होते हुए बद्रीप्रसाद परिसर पहुंची। गुरुदेव के नगर आगमन पर विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत द्वार सजाए गए तथा श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह पाद प्रक्षालन एवं पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। पूरे नगर में धार्मिक उल्लास एवं श्रद्धा का वातावरण बना रहा। स्वागत समारोह के पश्चात पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने अपने मंगलमय उद्बोधन में धर्म, संस्कार एवं आत्मकल्याण का संदेश देते हुए श्रद्धालुओं को सदाचार एवं संयम के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। मीडिया प्रवक्ता सोनल जैन ने बताया कि पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के सान्निध्य में 5 जून से 10 जून तक निराला रंग विहार, भिंड में ''आदिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव'' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं और जैन समाज के साथ-साथ नगरवासी भी इसमें बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। समाजजनों ने सभी धर्मप्रेमियों से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आह्वान किया है।

दिल्ली में श्री दिगम्बर जैसवाल जैन उपरोंचिया परिषद् का भव्य वार्षिक महोत्सव संपन्न

वर्ष 2026 की तीर्थयात्रा की घोषणा के साथ धर्म, संगठन और समाज सेवा का दिया संदेश

जिनवाणी वंदना, दीप प्रज्ज्वलन और वात्सल्य भोज के बीच श्रद्धा एवं उत्साह का अनूठा संगम

अंबाह/दिल्ली. शाबाश इंडिया

धर्म प्रभावना, समाज संगठन और तीर्थभक्ति की भावना को समर्पित ''श्री दिगम्बर जैसवाल जैन उपरोंचिया परिषद्, दिल्ली-एनसीआर'' का वार्षिक समारोह एवं वर्ष 2026 की प्रस्तावित तीर्थयात्रा घोषणा महोत्सव अग्रवाल भवन, मधुवन पार्क, शकरपुर (दिल्ली) में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। समारोह में दिल्ली-एनसीआर, अंबाह, मुरैना सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाजबंधु, मातृशक्ति एवं युवा वर्ग उपस्थित रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण, जिनवाणी वंदना एवं धर्म प्रभावना के साथ हुआ। मंच का उद्घाटन वर्धमान जनरेटर परिवार के अशोक जैन एवं सचिन जैन द्वारा किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्ज्वलन कर ज्ञान, संस्कार और धर्म चेतना का संदेश दिया गया। चित्र अनावरण एवं जिनवाणी स्थापना जैसे धार्मिक अनुष्ठानों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। समारोह के मुख्य अतिथि अंबाह के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं समाजसेवी जिनेश जैन तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट कमलेश जैन रहे। विशिष्ट अतिथियों में राजीव कुमार जैन, रुपेश जैन, प्रदीप जैन, रामकिशोर शर्मा, निलेश जैन एवं विजय जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। परिषद् पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। अपने संबोधन में जिनेश जैन ने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, धार्मिक आस्था और संस्कारों में निहित होती है। नई पीढ़ी यदि शिक्षा के साथ धर्म और संस्कृति से जुड़ी रहे तो समाज का भविष्य और अधिक उज्ज्वल बन सकता है। उन्होंने परिषद् द्वारा किए जा रहे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2026 की प्रस्तावित तीर्थयात्रा की घोषणा की गई। घोषणा के साथ ही श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह का वातावरण दिखाई दिया। अनेक समाजबंधुओं ने तीर्थयात्रा एवं परिषद् की धार्मिक गतिविधियों के लिए सहयोग राशि देने की घोषणा की। परिषद् पदाधिकारियों ने सभी दानदाताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि धर्मकार्य में दिया गया सहयोग समाज की अमूल्य निधि है, जो धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को निरंतर गति प्रदान करता है। समारोह में जैसवाल जैन युवाजन, जैन मंच, स्याद्वाद महिला मंडल, सिद्धनंदिनी महिला मंडल एवं धर्म जागृति महिला मंडल सहित विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। परिषद् एवं महिला परिषद् की ओर से सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों का सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया।

विज्ञाश्री माताजी के आशीर्वाद से 108 फीट कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण कार्य प्रगति पर

गुन्सी. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (तहसील निवाई, जिला टोंक, राजस्थान) में परम पूज्य भारत गौरव तीर्थोद्धारिका, सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ प्रणेत्री श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से विश्व की प्रथम अनुपम रचना माने जा रहे ''108 फीट ऊंचे कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय'' का भव्य निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी है। समाज के प्रवक्ता प्रतीक जैन सेठी ने बताया कि विज्ञातीर्थ गुन्सी में विराजमान भगवान शांतिनाथ की मनमोहक, पद्मासन एवं अतिशयकारी प्रतिमा श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुकी है। देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन एवं पूजन के लिए पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि अनेक श्रद्धालु भगवान शांतिनाथ के दरबार में अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं और उनकी श्रद्धा एवं विश्वास के अनुरूप उन्हें सकारात्मक अनुभव प्राप्त होते हैं। इसी कारण यह तीर्थ क्षेत्र दिन-प्रतिदिन श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। प्रतीक जैन सेठी ने एक श्रद्धालु के अनुभव का उल्लेख करते हुए बताया कि दिल्ली निवासी कमल जैन गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। उन्होंने पूज्य विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा भगवान शांतिनाथ की शांतिधारा में सहभागिता की। इसके पश्चात उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सकारात्मक अनुभव प्राप्त हुए, जिसे उन्होंने अपनी श्रद्धा एवं आस्था का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि तीर्थ क्षेत्र में आने वाले अनेक श्रद्धालु भगवान शांतिनाथ के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त करते हैं। शांतिधारा का धार्मिक महत्व जैन समाज में विशेष रूप से माना जाता है और श्रद्धालु इसे आध्यात्मिक शांति, आत्मविश्वास एवं मनोबल से जोड़कर देखते हैं। समाजजनों का मानना है कि सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह आध्यात्मिक जागृति, संस्कृति संरक्षण और जैन धर्म के सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। 108 फीट ऊंचे कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय के निर्माण पूर्ण होने के बाद यह तीर्थ क्षेत्र देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए एक प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित होगा।

तीर्थ स्वरूप श्री आदिनाथ जिनालय, छत्रपति नगर का स्थापना दिवस समारोह 3 जून को

इंदौर. शाबाश इंडिया। छत्रपति नगर स्थित तीर्थ स्वरूप ''श्री आदिनाथ दिगंबर जैन जिनालय'' का स्थापना दिवस समारोह 3 जून, बुधवार को श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। धर्म समाज प्रचारक ''राजेश जैन दद्दू'' ने बताया कि स्थापना दिवस के पावन अवसर पर जिनालय के मूलनायक ''भगवान श्री 1008 आदिनाथ भगवान'' का इस वर्ष का अंतिम ''महा मस्तकाभिषेक'' स्वर्ण एवं रजत कलशों से संपन्न कराया जाएगा। यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है। ट्रस्ट अध्यक्ष ''भूपेंद्र जैन'' ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6:45 बजे मंगलाष्टक से होगा। इसके पश्चात प्रातः 7:15 बजे मूलनायक भगवान आदिनाथ का महा मस्तकाभिषेक प्रारंभ होगा। प्रातः 8:00 बजे नित्य नियम पूजन का आयोजन किया जाएगा। सांध्यकालीन कार्यक्रमों के अंतर्गत रात्रि 7:30 बजे 48 दीपों के समर्पण के साथ ''श्री भक्तामर स्तोत्र पाठ'' एवं ''महाआरती'' का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु भक्ति भाव से सहभागिता करेंगे। विपुल बाझल ने बताया कि छत्रपति नगर जिनालय में विराजमान बड़े बाबा भगवान आदिनाथ का महा मस्तकाभिषेक वर्ष में केवल तीन बार ही आयोजित किया जाता है। 3 जून को होने वाला यह अभिषेक वर्ष 2026 का अंतिम महा मस्तकाभिषेक होगा, जिससे इसका धार्मिक महत्व और बढ़ जाता है। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि यह दुर्लभ पुण्य अवसर श्रद्धालुओं को भगवान के प्रति अपनी आस्था और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर प्रदान करेगा।

रक्तकोष फाउंडेशन बूंदी के जिला ब्रांड एंबेसडर बने डॉ. बृजकिशोर शर्मा

रक्तदान की मुहिम से जुड़कर स्वयं भी करते हैं रक्तदान, अनेक मरीजों को मिला जीवनदान

बूंदी. शाबाश इंडिया। रक्तदान एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले ''डॉ. बृजकिशोर शर्मा'' को ''रक्तकोष फाउंडेशन, बूंदी'' का जिला ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति रक्तकोष फाउंडेशन के संस्थापक ''डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी'' (सचिव, मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार) के नेतृत्व में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के मार्गदर्शन तथा जिला अध्यक्ष ''रामलक्ष्मण मीणा'' की अनुशंसा पर की गई। वर्तमान में 'राजकीय महाविद्यालय, तालेड़ा' में प्राचार्य पद पर कार्यरत डॉ. बृजकिशोर शर्मा लंबे समय से रक्तदान जागरूकता एवं सामाजिक सेवा गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि वे स्वयं नियमित रूप से रक्तदान करते रहे हैं तथा विभिन्न रक्तदान शिविरों में सक्रिय सहभागिता निभाते रहे हैं। उनके प्रयासों से आयोजित रक्तदान शिविरों के माध्यम से अनेक जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सका है, जिससे कई लोगों को नया जीवन मिला है। डॉ. शर्मा ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए।

तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु वॉटर कूलर भेंट, वर्षभर मिलेगा शुद्ध एवं शीतल पेयजल: नितिन जैन

जबलपुर. शाबाश इंडिया

धर्म, सेवा और समाजहित की भावना को साकार करते हुए दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जबलपुर 'मेन' के पूर्व अध्यक्ष विकास जैन एवं शिखा जैन परिवार द्वारा श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र पिसनहारी की मढ़िया में श्रद्धालुओं एवं तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए एक आधुनिक वॉटर कूलर भेंट किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य तीर्थ पर आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को वर्षभर शुद्ध, स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराना है। वॉटर कूलर के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि तीर्थ स्थलों पर पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करना अत्यंत पुण्य एवं समाजोपयोगी कार्य है। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में यह सुविधा श्रद्धालुओं और यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। वक्ताओं ने कहा कि जैन समाज सदैव सेवा, करुणा और परोपकार की परंपरा को आगे बढ़ाने में अग्रणी रहा है। विकास-शिखा जैन परिवार द्वारा किया गया यह योगदान न केवल तीर्थयात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि समाज के अन्य परिवारों को भी ऐसे सेवा कार्यों के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए नितिन जैन ने बताया कि तीर्थ क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में शुद्ध पेयजल की यह व्यवस्था उनके लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी तथा उन्हें गर्मी के मौसम में विशेष राहत प्रदान करेगी। लोकार्पण समारोह में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झाँझरी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अश्विन कासलीवाल, पूर्व अध्यक्ष कमलेश कासलीवाल, फेडरेशन परामर्शदाता अमित कासलीवाल, अतिरिक्त महासचिव प्रदीप जैन, ममता जैन, प्रशांत जैन, प्रवीण सिंघई, महाकोशल-विंध्य रीजन अध्यक्ष सीए मनोज जैन, सचिव हेमंत जैन, कोषाध्यक्ष सुनील घीया, संस्थापक अध्यक्ष आजाद जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन तीर्थ क्षेत्र की उन्नति, समाज की प्रगति एवं मानव सेवा के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि ''सेवा ही सच्चा धर्म है'' की भावना को चरितार्थ करता यह प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करेगा तथा आने वाले वर्षों तक तीर्थयात्रियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

सनातन धर्मशाला में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन जारी

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया। शहर के गौशाला रोड स्थित सनातन धर्मशाला में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ जारी है। कथा में श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी सुश्री सौम्या भारती जी अपने ओजस्वी एवं आध्यात्मिक प्रवचनों से श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और आत्मचिंतन का संदेश दे रही हैं। साध्वी सौम्या भारती जी ने अपने प्रवचनों में विभिन्न धार्मिक ग्रंथों के समन्वय के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जन्म एवं उनकी दिव्य लीलाओं में निहित आध्यात्मिक रहस्यों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल भगवान की जीवन गाथा नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा प्रदान करने वाला एक गहन आध्यात्मिक मार्गदर्शन है। उन्होंने कहा कि प्रभु का अवतरण धर्म की स्थापना और अधर्म के विनाश के लिए होता है। यह संदेश किसी एक युग, काल या देश तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्तमान समय की समस्याओं का समाधान भी प्रस्तुत करता है। संसार में रोग, शोक, जन्म-मृत्यु तथा काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसी प्रवृत्तियों से ग्रस्त मानव को सत्मार्ग पर लाने के लिए भगवान अवतरित होते हैं। भगवान श्रीकृष्ण को सृष्टि का पालनकर्ता एवं नियामक तत्व बताते हुए साध्वी जी ने कहा कि निराकार परमात्मा धर्म की स्थापना के लिए साकार रूप धारण करता है और मानव को अपने भीतर ईश्वर का अनुभव करने का मार्ग दिखाता है। प्रभु के रात्रि में जन्म लेने के आध्यात्मिक अर्थ को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि यह अज्ञान रूपी अंधकार के समाप्त होने और ज्ञान के प्रकाश के उदय का प्रतीक है। वहीं भगवान का कारागार में जन्म लेना मानव शरीर का प्रतीक है, जिसमें ईश्वर का वास तो है, लेकिन माया के कारण मनुष्य उन्हें पहचान नहीं पाता। जब तक व्यक्ति माया के बंधनों से मुक्त नहीं होता, तब तक ईश्वर के साक्षात्कार और मोक्ष की प्राप्ति संभव नहीं होती। साध्वी जी ने कहा कि जिस प्रकार माता देवकी ने अपने हृदय में भगवान के चतुर्भुज स्वरूप के दर्शन किए थे, उसी प्रकार मनुष्य भी सतगुरु की कृपा से अपने अंतर्मन में ईश्वर का अनुभव कर सकता है। इस अवसर पर संजय सिंगला परिवार एवं राजू मिशन परिवार द्वारा पूजन कराया गया। कार्यक्रम में रवि कुमार जसरासरिया, देवेंद्र गोयल, अंजनी लढ़ा, गौरीशंकर लढ़ा, सुभाष तलवाड़िया एवं विनोद कुमार अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा आयोजन में अन्य साध्वी बहनें भी अपने वाद्य-वृंद समूह के साथ मौजूद रहीं। उनके मधुर भजनों और संगीतमय प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया।

शिक्षण शिविर के समापन पर महिला परिषद् ने किया पुरस्कार वितरण

बकस्वाहा. शाबाश इंडिया। निकटवर्ती नगर बड़ामलहरा में श्री दिगम्बर जैन गणेश प्रसाद वर्णी पाठशाला के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिक्षण एवं संस्कार शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर में सांगानेर से पधारे विद्वानों ने स्थानीय बच्चों एवं वरिष्ठजनों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक शिक्षा प्रदान की। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को प्रथम भाग, द्वितीय भाग एवं छहढाला

विषयों की नियमित कक्षाओं के माध्यम से धार्मिक ज्ञान, नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों की शिक्षा दी गई। साथ ही बच्चों को प्रतिदिन स्वल्पाहार भी वितरित किया गया। समापन समारोह के अवसर पर ''अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महिला परिषद्'' द्वारा शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। परिषद् ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना श्रेणी सहित कुल ''162 शिविरार्थियों'' को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर महिला परिषद् द्वारा सांगानेर से पधारे विद्वानों एवं पाठशाला के शिक्षकों का भी सम्मान किया गया। परिषद् पदाधिकारियों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिक्षण शिविर बच्चों में धार्मिक संस्कार, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में प्रांतीय संगठन सचिव एवं केंद्रीय चेयरपर्सन रजनी जैन, प्रांतीय सह-कोषाध्यक्ष शुभा जैन, प्रांतीय चेयरपर्सन दीप्ति जैन, सदस्य विभा जैन एवं विनीता जैन का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महिला परिषद्, गुरु भक्ति महिला मंडल एवं सकल दिगम्बर जैन समाज की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर समाजजनों ने ऐसे शिक्षण एवं संस्कार शिविरों को निरंतर आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

रिपोर्ट : वरिष्ठ पत्रकार राजेश जैन रागी / रत्नेश जैन, बकस्वाहा

अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस पर विशेष

बाल सुरक्षा: समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी जिम्मेदारी

गोविन्द जांगिड़. शाबाश इंडिया। बच्चे किसी भी राष्ट्र का भविष्य और समाज की सबसे अमूल्य धरोहर होते हैं। उनका सुरक्षित, शिक्षित, स्वस्थ और संस्कारित होना ही किसी विकसित एवं सशक्त राष्ट्र की पहचान है। अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि प्रत्येक बच्चे को प्रेम, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानपूर्ण जीवन का अधिकार प्राप्त होना चाहिए। आज के

बदलते सामाजिक परिवेश में बच्चों की सुरक्षा और उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। केवल सरकार या संस्थाओं के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि परिवार, समाज और प्रत्येक नागरिक को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। बच्चों को बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ सकारात्मक वातावरण, नैतिक संस्कार और सुरक्षित भविष्य प्रदान करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वर्तमान समय में बाल श्रम, बाल शोषण, बाल तस्करी, हिंसा और ऑनलाइन खतरों जैसी अनेक चुनौतियां बच्चों के भविष्य को प्रभावित कर रही हैं। इन समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इनके खिलाफ प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के अपने अधिकार से वंचित न रहे। बच्चों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन, सहिष्णुता और मानवता के संस्कार विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है, जितना उन्हें आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराना। संस्कारित और शिक्षित बाल पीढ़ी ही भविष्य में एक सशक्त, संवेदनशील और जिम्मेदार समाज का निर्माण कर सकती है। अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस के अवसर पर आइए हम सभी यह संकल्प लें कि हर बच्चे के चेहरे पर मुस्कान, उसके जीवन में सुरक्षा और उसके सपनों को उड़ान देने के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। यही बच्चों के प्रति सच्ची संवेदनशीलता और राष्ट्र निर्माण में हमारी सार्थक भागीदारी होगी।

आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज के सान्निध्य में कमलानगर में हुआ अर्हं ध्यान योग आयोजन

21 दिवसीय ''योगमय आगरा-2026'' अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में होंगे योग एवं ध्यान सत्र

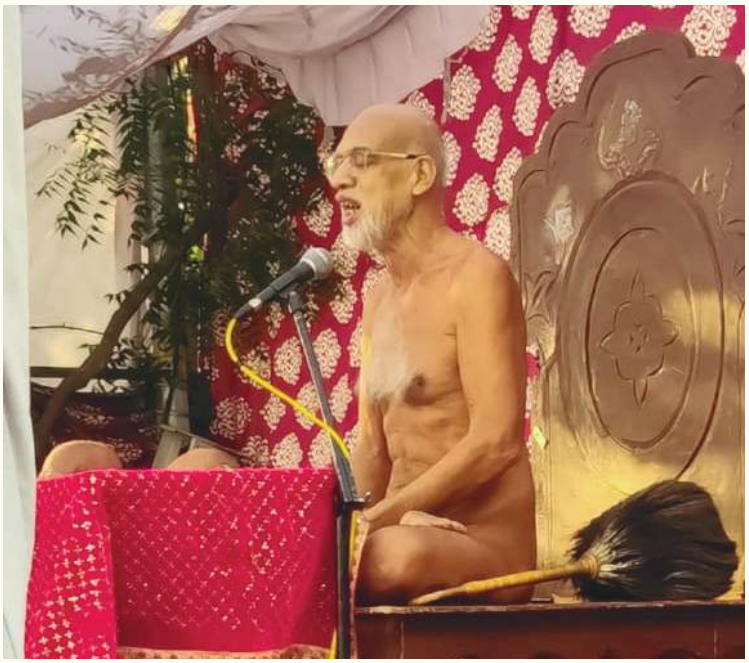

आगरा. शाबाश इंडिया। कमलानगर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में रविवार प्रातः 5:15 बजे पूज्य वैज्ञानिक संत ''आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज ससंघ'' के मंगल सान्निध्य में अर्हं ध्यान योग का विशेष आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, समाजजनों एवं योग साधकों ने सहभागिता कर योग एवं ध्यान का लाभ प्राप्त किया। अर्हं ध्यान योग टीम के प्रशिक्षकों द्वारा उपस्थित साधकों को विभिन्न योगाभ्यास कराए गए। वहीं आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज ने स्वयं ध्यान सत्र का संचालन करते हुए आत्मचिंतन, आत्मशुद्धि एवं आध्यात्मिक उन्नयन का संदेश दिया। इस अवसर पर आचार्यश्री ने ध्यान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ध्यान आत्मा को परम शांति, आनंद और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि नियमित योग एवं ध्यान के अभ्यास से व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जी सकता है। वर्तमान समय की व्यस्त जीवनशैली में योग और ध्यान मानसिक तनाव को दूर करने तथा आत्मिक संतुलन बनाए रखने के प्रभावी साधन हैं। यह आयोजन अर्हं योग प्रणेता पूज्य ''मुनिश्री प्रणम्यसागर जी महाराज'' की प्रेरणा से स्थानीय अर्हं ध्यान योग टीम द्वारा आयोजित किया गया। आगरा जैन समाज के प्रवक्ता ''मनोज जैन बाकलीवाल'' ने बताया कि ''योगमय आगरा-2026'' अभियान के अंतर्गत 31 मई से 21 जून तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिदिन योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को योग, ध्यान एवं स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि अभियान का भव्य समापन 21 जून को ''अंतरराष्ट्रीय योग दिवस'' के अवसर पर किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में योग साधकों, श्रद्धालुओं एवं आमजन की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने योग एवं ध्यान के माध्यम से आत्मिक शांति का अनुभव किया तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। **रिपोर्ट: शुभम जैन**

श्रमण संस्कार शिक्षण शिविरों के भव्य समापन समारोह में उमड़ा शिविरार्थियों का सैलाब

दस विद्यार्थियों को मिला रत्नाकर अवॉर्ड, आठ मंदिरों को चुना गया श्रेष्ठ मंदिर

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर एवं अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति भारत के तत्वावधान में, तथा श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान एवं संयुक्त महिला संभाग के सहयोग से शहर के 63 दिगम्बर जैन मंदिरों में 17 मई से संचालित ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कार शिक्षण शिविरों का सामूहिक एवं भव्य समापन समारोह रविवार को संस्थान के विद्यासुधा सभा मंडप में आयोजित किया गया। प्रचार-प्रसार प्रभारी पदम जैन बिलाला ने बताया कि समारोह का शुभारंभ श्रीमती राखी अजय गंगवाल द्वारा चित्र अनावरण, अशोक कुमार एवं शकुंतला चांदवाड़ द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा पद्मावती कॉलोनी एवं हीरापथ के विद्यार्थियों द्वारा मंगलाचरण के साथ हुआ। समारोह के शिरोमणि अतिथि समाजसेविका श्राविका श्रेष्ठी सुशीला पाटनी, शांता पाटनी एवं तारिका पाटनी (आर.के. मार्बल परिवार) रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता एस.के. जैन (आईपीएस) ने की। मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा तथा गौरवमयी अतिथि रेणु राणा रहीं। सम्माननीय अतिथि प्रेमचंद बगड़ा तथा विशिष्ट अतिथि रवि जैन (डीआरएम) एवं सचिन जैन (दिल्ली) सहित सभी अतिथियों का संस्थान पदाधिकारियों द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। संस्थान के अध्यक्ष एस.के. जैन के स्वागत उद्बोधन के पश्चात पंडित शीतलचंद शास्त्री ने अपने विचार व्यक्त किए। सांसद मंजू शर्मा ने संस्कार शिविरों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर बच्चों में नैतिक एवं धार्मिक मूल्यों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह में शिविरार्थी बच्चों द्वारा प्रस्तुत संस्मरणों को खूब सराहा गया। वहीं विवेक विहार मंदिर के बालकों द्वारा प्रस्तुत नाटक ''संतों की सुरक्षा, धर्म की रक्षा'' ने दर्शकों की भरपूर तालियां बटोरीं। शिविरों में अध्यापन कार्य करने वाले विद्वानों एवं विदुषियों के सम्मान के दौरान पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। महाविद्यालय अधिष्ठात्री एवं शिविरों की प्रणेता शीला डोड्या ने बताया कि इस वर्ष देशभर में 2000 से अधिक स्थानों पर संस्कार शिविर आयोजित किए गए। जयपुर में 10 विषयों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ''रत्नाकर अवॉर्ड'' प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त चार विशेष पुरस्कार भी दिए गए। समारोह में जयपुर के 63 मंदिरों में संचालित शिविरों के विभिन्न विषयों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही आठ श्रेष्ठ मंदिरों–राधा निकुंज मंदिर, अंबाबाड़ी मंदिर, वरुण पथ मानसरोवर, एसएफएस मानसरोवर, थड़ी मार्केट मानसरोवर, महारानी फार्म गायत्रीनगर, धाबास एवं संघीजी का मंदिर (मनिहारों का रास्ता)–को भी सम्मानित किया गया। रत्नाकर अवॉर्ड के अंतर्गत विजेताओं को प्रमाण-पत्र, ट्रॉफी एवं 2100 रुपए की नगद राशि प्रदान की गई। वहीं चित्रकला, भजन, भाषण, हाइकु वाचन एवं नाटक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के मंत्री सुरेश कासलीवाल, निदेशक डॉ. वंदना जैन, महिला समिति आंचल अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष विद्युत लुहाड़िया सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। जयपुर शिविर प्रभारी विनीता जैन, दीपिका बिलाला, चंदा सेठी एवं अंजना जैन के साथ सभी अधीक्षकों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन बालक अद्विक सेठी एवं मोनिक जैन के साथ शीला डोड्या और विनीता जैन ने किया। शिविरों के मुख्य संयोजक उत्तमचंद पाटनी के संबोधन के पश्चात संस्थान के कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया ने सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह में विभिन्न मंदिरों के अध्यक्ष, मंत्री, संयोजक, दो हजार से अधिक शिविरार्थी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आत्मचिंतन, प्रेम और संस्कारों से बनता है सुखी परिवार : वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज

एक दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान में गूंजे जयकारे, श्रद्धालुओं ने अष्टद्रव्य से चढ़ाए अर्घ्य। केसरिया-केसरिया आज हमारो रंग केसरिया भजन पर झूमे श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन धर्मशाला, सामली में विराजमान परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज के शिष्य, वाक्केशरी संत आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर जी महाराज के सान्निध्य में रविवार को एक दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में 108 जोड़ों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः 6 बजे से प्रारंभ हुए संगीतमय विधान में श्रद्धालुओं ने भक्ति एवं श्रद्धा भाव से अष्टद्रव्य के अर्घ्य समर्पित किए। विधान के दौरान प्रस्तुत जैन भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। केसरिया-केसरिया आज हमारो रंग केसरिया, पूजा पाठ रचाऊं मेरे स्वामी तथा बजे कुण्डलपुर में बधाई, नगरी में वीर जन्मे जैसे भजनों पर श्रद्धालु भक्ति भाव में झूम उठे। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने कहा कि आत्मचिंतन, प्रेम और संस्कार ही एक सुखी एवं समृद्ध परिवार की वास्तविक नींव हैं। आज अधिकांश लोग सुख, शांति और सुकून की तलाश में भटक रहे हैं, जबकि वास्तविक शांति आत्मचिंतन, आत्मज्ञान और स्वयं को समझने से प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि धार्मिक गतिविधियां और भक्ति मन को प्रसन्नता प्रदान करती हैं, लेकिन स्थायी आनंद तभी मिलता है जब व्यक्ति अपने भीतर झांककर आत्मा के स्वरूप को समझने का प्रयास करता है। आत्मचिंतन मनुष्य को जीवन की सही दिशा प्रदान करता है और उसे आंतरिक संतोष की अनुभूति कराता है। आचार्यश्री ने कहा कि परिवार की खुशहाली केवल धन-संपत्ति से नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, सम्मान और सहयोग से बनी रहती है। यदि आर्थिक समृद्धि बढ़ती जाए, लेकिन आपसी प्रेम और संस्कार कम हो जाएं, तो परिवार बिखरने लगता है। इसलिए जीवन में त्याग, समझदारी और अच्छे संस्कारों को विशेष महत्व देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर अपने व्यवहार, वाणी और संबंधों का मूल्यांकन करना चाहिए। मधुर वाणी और विनम्र व्यवहार लोगों के हृदय जीत लेते हैं, जबकि कटु शब्द रिश्तों में दूरियां पैदा कर देते हैं। परिवार में एक-दूसरे की अच्छाइयों की सराहना करने से प्रेम और आत्मीयता बढ़ती है। एक छोटा-सा धन्यवाद, एक मधुर शब्द और सच्ची प्रशंसा रिश्तों में नई ऊर्जा का संचार कर सकती है। आचार्यश्री ने कहा कि जैसे भोजन में उचित मात्रा में नमक उसका स्वाद बढ़ाता है, उसी प्रकार प्रेम, सहनशीलता और विनम्रता परिवार को मधुर बनाती है। जब घर के सदस्य एक-दूसरे के प्रति सम्मान, सहयोग और स्नेह का भाव रखते हैं, तब वही घर स्वर्ग के समान बन जाता है। उन्होंने समाजजनों से आह्वान किया कि वे आत्मचिंतन करें, अपने व्यवहार को सुधारें, प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा दें तथा परिवार और समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करें। यही सच्चे सुख, शांति और सफल जीवन का मार्ग है। धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। इससे पूर्व चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट जैसे धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, समाजजन एवं धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

विनोद जैन कोटखावदा

दिगम्बर जैन महासमिति की महावीर नगर इकाई का पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति, राजस्थान अंचल के पश्चिम संभाग की महावीर नगर, जयपुर इकाई द्वारा आयोजित धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर-2026 के अंतर्गत संचालित कक्षाओं में भाग लेने वाले शिविरार्थियों, शिक्षकों एवं अल्पाहार वितरकों का पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह 1 जून 2026 को महावीर साधना संस्थान, महावीर नगर में आयोजित किया गया। इकाई के मंत्री राजेंद्र पापड़ीवाल ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता महावीर साधना संस्थान के मंत्री सुरेश काला ने की। शिविर प्रभारी बाबूलाल जैन एवं साधना गोदिका ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र पांड्या एवं मृदुला पांड्या द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में के.के. जैन एवं मंजू जैन यूनिक सांघी द्वारा परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले शिविरार्थियों तथा शिक्षकों को पुरस्कार एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इकाई अध्यक्ष राजेंद्र पांड्या ने बताया कि अन्य शिविरार्थियों को राशि जैन, सरला जैन एवं सुधा पाटनी द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं सुरेंद्र पांड्या, मृदुला पांड्या तथा धर्मचंद पहाड़िया एवं सरिता पहाड़िया द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों को अल्पाहार वितरित किया गया। समारोह में दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान महिला अंचल की अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका, मंत्री सुनीता गंगवाल, अंचल कार्याध्यक्ष णमोकार जैन, उपाध्यक्ष सुनील बज, मृदुला पांड्या एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इकाई अध्यक्ष राजेंद्र पांड्या ने बताया कि कार्यक्रम का प्रभावी संचालन महासमिति राजस्थान अंचल के उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक सुनील बज द्वारा किया गया। समारोह के दौरान सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं सहयोगकर्ताओं के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर बच्चों एवं युवाओं में नैतिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक मूल्यों के विकास का सशक्त माध्यम हैं और ऐसे आयोजनों से समाज में संस्कारों का संवर्धन होता है।

समर कैंप समापन समारोह एवं सामाजिक सरोकार की अनूठी पहल

पद्मावती पब्लिक स्कूल, मानसरोवर में बेजुबान पक्षियों के लिए लगाए एवं वितरित किए गए परिण्डे

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद द्वारा संचालित पद्मावती पब्लिक स्कूल, मानसरोवर में आयोजित द्वितीय समर कैंप का समापन समारोह उत्साह एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। 15 मई से प्रारंभ हुए इस समर कैंप में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल सांघी एवं मानद मंत्री सुनील बख्शी ने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए समर कैंप के दौरान आर्ट एंड क्राफ्ट, ड्राइंग, कंप्यूटर, हैंडराइटिंग, स्केटिंग, जूडो, सेल्फ डिफेंस तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कैंप में 95 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह के अवसर पर विद्यालय के संरक्षक अशोक जैन नेता, अध्यक्ष उमरावमल सांघी, कोषाध्यक्ष महेश काला, कार्यकारिणी सदस्य विनोद जैन कोटखावदा, मनीष वैद एवं युवा समाजसेवी प्रदीप जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की विशेषता सामाजिक सरोकार से जुड़ी अनूठी पहल रही। विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को परिण्डे वितरित किए गए तथा विद्यालय परिसर में भी परिण्डे लगाए गए, ताकि भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। इस पहल की सभी उपस्थितजनों ने सराहना की। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने भी विद्यालय पहुंचकर समर कैंप में संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया था। उन्होंने विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा, अनुशासन एवं विभिन्न गतिविधियों की सराहना करते हुए विद्यालय प्रबंधन को बधाई दी। विद्यालय की प्राचार्या हेमलता जैन ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं सहयोगकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के व्यक्तित्व विकास, रचनात्मकता और सामाजिक चेतना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह का समापन विद्यार्थियों के उत्साह, उपलब्धियों और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूकता के संदेश के साथ हुआ।

कलम के तपस्वियों को नमन: उदयपुर में वरिष्ठ पत्रकारों के अनुभवों का हुआ अभिनंदन

हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर जार का विशेष आयोजन, वरिष्ठ पत्रकारों और उनके जीवनसाथियों का किया सम्मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

हिन्दी पत्रकारिता के दो शताब्दी वर्ष के ऐतिहासिक अवसर पर जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की उदयपुर जिला इकाई ने रविवार को गुलाबबाग स्थित नवलखा महल के माता लीलावंती सभागार में एक भावपूर्ण और गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित कर पत्रकारिता के उन पुरोधाओं को नमन किया, जिन्होंने दशकों तक अपनी कलम के माध्यम से समाज को दिशा देने का कार्य किया। 'कलम प्रहरी सम्मान-2026' समारोह में मुख्य वक्ता श्रीमद् दयानंद सत्यार्थ प्रकाश न्यास अध्यक्ष डॉ. अशोक आर्य ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों का संकलन और प्रसारण नहीं, बल्कि समाज को जागृत करने वाला एक सतत विचार आंदोलन है। उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती को सामाजिक चेतना का अग्रदूत बताते हुए कहा कि समाज सुधार के लिए संघर्ष करने वाले महापुरुष अपने समय के वास्तविक पत्रकार थे। उन्होंने हिन्दी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज हिन्दी को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और पत्रकारों की जिम्मेदारी पहले से

अधिक बढ़ गई है। इसी क्रम में मुख्य अतिथि एडवोकेट निर्मल कुमार पंडित ने पत्रकारों से समयानुकूल और प्रखर लेखन की अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में व्याप्त विसंगतियों को उजागर कर सकारात्मक परिवर्तन लाने की जिम्मेदारी कलमकारों की है। विशिष्ट अतिथि सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के उपनिदेशक गौरीकांत शर्मा ने वरिष्ठ पत्रकारों की तपस्या को स्मरण करते हुए कहा कि तकनीकी युग की नई पीढ़ी को उन पत्रकारों से प्रेरणा लेनी चाहिए जिन्होंने सीमित संसाधनों में पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम बनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जार के प्रदेश सह संयोजक एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष शर्मा ने बताया कि हिन्दी पत्रकारिता के 200वें वर्ष के उपलक्ष्य में वर्षभर विविध आयोजन किए जाएंगे। जार उदयपुर अध्यक्ष राकेश शर्मा ''राजदीप'' ने बताया कि इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार नरेश शर्मा, श्रीकृष्ण जुगनू, राहुल शर्मा, राजेन्द्र शेखर व्यास, राजेन्द्र हिलोरिया एवं मांगीलाल लोहार का सम्मान किया गया। विशेष रूप से उनकी धर्मपत्नी का भी सम्मान कर यह संदेश दिया गया कि पत्रकारिता के कठिन और अनिश्चित जीवन में परिवार, विशेषकर जीवनसाथी का योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान सम्मानित पत्रकारों ने अपने दीर्घ पत्रकारिता जीवन के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन अनिल चतुर्वेदी ने किया। अंत में उपस्थित पत्रकारों ने नवलखा महल स्थित राष्ट्र मंदिर दीर्घा का अवलोकन किया तथा सत्यार्थ प्रकाश न्यास की ओर से साहित्य भेंट स्वरूप प्राप्त किया।

इन सबकी रही उपस्थिति

समारोह में सत्यार्थ प्रकाश न्यास के संयुक्त मंत्री डॉ. अमृतलाल तापड़िया, मंत्री भवानीदास आर्य, कोषाध्यक्ष नारायण मित्तल, व्यवस्थापक भंवर गर्ग, संयोजिका दुर्गा गोरमात, जार के प्रदेश कोषाध्यक्ष कौशल मूंदड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक वैष्णव, नानालाल आचार्य, प्रदेश सचिव राजेश वर्मा, उदयपुर जिला जार इकाई के शंकर चावड़ा, योवंतराज माहेश्वरी, बाबूलाल ओड़, जितेंद्र माथुर, हरीश नवलखा, दिनेश औदिच्य, लक्ष्मण गोराण, नारायण लाल सेन, नवरतन खोखावत, घनश्याम जोशी, ओमपाल सीलन, हिमांशु परिहार, सुनील कालरा, लक्षित लोहार, दिग्विजय जैन, सावन दोसी, लोकेश मेनारिया, ऋषभ सिंह गहलोत, नरेन्द्र सेठिया, नंदलाल माली, दीपक माली, राजेश शर्मा, कमलेश जैन, नरेश मुर्डिया, तथागत शर्मा सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट /फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'